Media Coverage & Verification

Fruit Protection Bagging & Integrated Pest Management Initiative

Apna Khet Bagan Foundation — Bathnaha Block, Sitamarhi, Bihar

Third-party newspaper coverage and government horticulture department field visits documenting and validating the fruit-bagging and pheromone trap pest-management method piloted by Apna Khet Bagan Foundation in Sitamarhi district.

---

1. Soil Testing Demonstration for Orchard Farmers

Mazaura Village, Bathnaha — Sitamarhi District Soil Testing Lab

मिट्टी जांच के लिए के लिए दी जानकारी

सीतामढ़ी, कार्यालय संवाददाता। बथनाहा प्रखंड के मझौरा गांव में गुरुवार को बागों से मिट्टी नमूना लेने की विधि का किसानों के बीच प्रदर्शन किया गया। सहायक निदेशक (उद्यान) नीरज कुमार झा की उपस्थिति में सहायक निदेशक (रसायन) इन्द्रजीत मण्डल की देख-रेख में जिला मिट्टी जांच प्रयोगशाला की टीम ने जांच के तरीकों से अवगत कराया। सहायक निदेशक (रसायन) ने बताया कि बागों से मिट्टी नमूना लेने की विधि खाद्यान फसलों के खेतो से नमूना लेने की विधि से अगल हैं। बगीचे से नमूना लेने के लिए बाग या अन्य वृक्षों के लिए 30 सेमी, 30-60 सेमी, 60-90 सेमी, 90-120 सेमी, 120-150 सेमी, 150-180 सेमी से अलग-अलग गहराई के लिए अलग-अलग छः नमूने लिए जाते है। प्रत्येक गहराई (लेयर) से अलग-अलग नमूना संग्रहण किया जना चाहिए। जिसका अलग विशलेषण होता है। जांच में यदि 5 फिट के गहराई से ऊपर कैलशियम कार्बोनेट की सतह पायी जाती है तो वहां बागवानी करना उचित नहीं होता है क्योंकि बागवानी लगाने के 4-5 साल के बाद पौधों के जड़ों का विकास कैलशियम कार्बोनेट के लेयर (मात्रा) रहने कारण अवरूद्ध हो जाता हैं। ऐसा होने पर मिट्टी से पोशक तत्वों का पर्याप्त अवशोषण नहीं हो पाता है। वहीं उन्होंने बताया कि पुराने बगीचों से मिट्टी नमूना लेने में इस बात का विषेश ध्यान रखना चाहिए कि वृक्ष के शिखर की छाया जो भूमि पर दोपहर 12 बजे पड़ती है उसकी परिधि के भीतर से लिया जाए।

मझौल गांव में मिट्टी जांच के लिए नमूना लेने के तरीकों को बताते अधिकारी।

District horticulture and chemistry officials demonstrated scientific soil-sampling methods to orchard farmers in Mazaura village, guiding correct sampling depth and layering technique for accurate soil health assessment ahead of plantation decisions.

2. Joint Director of Horticulture Reviews Bagging & Pheromone Trap Method

Dainik Bhaskar, Sitamarhi — 2 June 2022

दैनिक भास्कर सीतामढ़ी 02-06-2022

जानकारी ली • कहा- गुणवत्ता व सुरक्षा का सकारात्मक परिणाम मिलने पर विभागीय योजना में किया जाएगा शामिल

बथनाहा के मझौरा गांव में पहुंच संयुक्त निदेशक ने किसानों के बगीचे में बैगिंग व फेरोमोन ट्रैप विधि से आम की फसलों की सुरक्षा का लिया जायजा

भास्कर न्यूज | सीतामढ़ी

गत दिनों दैनिक भास्कर में छपी खबर के आलोक में संयुक्त निदेशक उद्यान आभांशु जैन ने बथनाहा प्रखंड के मझौरा गांव में किसानों के द्वारा बैगिंग व फेरोमोन ट्रैप विधि से आम की गुणवत्ता व सुरक्षा को लेकर की जा रही पहल का जायजा लिया। इस दौरान निदेशक ने अपना खेत फाउंडेशन के संस्थापक सह कृषि समन्वयक के साथ ही अन्य किसानों के बगीचे में पहुंचकर इस विधि का विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने किसानों से विधि से होने वाले लाभों एवं खर्च की भी बारीकी से जानकारी ली। उन्होंने अपना खेत के द्वारा की आम के फसल की गुणवत्ता व सुरक्षा की पहल की सराहना की तथा उनके द्वारा खेतों से देश के विभिन्न प्रदेशों में सीधे घरों तक पहुंचाने की सिस्टम के लिए प्रोत्साहित किया। कहा कि इससे आम के उत्पादक किसानों को सीधे लाभ मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर आम की गुणवत्ता व सुरक्षा को लेकर बैगिंग विधि व फेरोमोन ट्रैप विधि का सकारात्मक परिणाम सामने आता है तो वे इस विधि को विभागीय योजना में भी शामिल करेंगे।

आम के बगीचे में बैगिंग का जायजा लेते संयुक्त निदेशक व अन्य

इससे इन विधियों से अधिक से अधिक किसान लाभान्वित हो सकें। भ्रमण के दौरान संयुक्त निदेशक के साथ सहायक निदेशक उद्यान नीरज कुमार झा, प्रखंड उद्यान पदाधिकारी, कृषि समन्वयक मृत्युंजय कुमार व अन्य किसान मौजूद थे।

यह है आम की सुरक्षा का फेरोमोन ट्रैप विधि व बैगिंग विधि

फेरोमोन ट्रैप विधि में एक जालीदार डब्बा रहता है, जिसमें मादा कीट का गंद रहता है। इससे नर कीट उसकी तरफ आकर्षित होते हैं तथा फंस कर मर जाते हैं। नर कीट की कमी से मादा कीट की प्रजनन बाधित हो जाती है तथा जीवन चक्र रुक हो जाता है। इस विधि से बगीचे में कीटों की संख्या समाप्त प्राय हो जाती है। बैगिंग विधि में परिपक्व हो रहे आम के फलों को बैग व कागज के थैलों से ढक दिया जाता है। जिसके कारण उसके ऊपर फ्रूट फ्लाई सहित अन्य कीटों का प्रकोप नहीं हो पाता है। इसके साथ ही समय-समय पर होने वाली बारिश का भी प्रतिकूल प्रभाव फल पर पड़ता है।

बैगिंग विधि व फेरोमोन ट्रैप विधि की से आम की गुणवत्ता को कायम रखने और कीड़ा आदि के प्रकोप से सुरक्षा की इस पहल की गहन जांच की जा रही है। यदि इसका सकारात्मक परिणाम सामने आता है, तो इस विधि को विभागीय योजना में शामिल किया जायेगा।
- आभांशु जैन, संयुक्त निदेशक उद्यान।

The Joint Director of Horticulture visited farmers' orchards in Mazaura, Bathnaha to assess the fruit bagging and pheromone trap method for mango protection, praising the initiative and indicating it could be included in departmental schemes if results remain positive.

3. Protecting Ripening Mangoes: Apna Khet Promotes Fruit Bagging

Dainik Bhaskar, Sitamarhi — 27 May 2022

दैनिक भास्कर सीतामढ़ी 27-05-2022

पहल • अपना खेत बागान फाउण्डेशन के तत्वावधान में किसानों को आम की गुणवत्ता व सुरक्षा के लिए किया जा रहा जागरूक

तैयार हो रहे आम के फल की सुरक्षा जरूरी, करें बैगिंग, गंदगी से भी होता है बचाव : आलोक

भास्कर न्यूज | सीतामढ़ी

जिले में अब आम का फसल अब परिपक्व होने लगा है। ऐसे में उसके ऊपर फ्रूट फ्लाई सहित अन्य कीटों का भी प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। वहीं आम के फलों पर गंदगी जमा होने से भी आम के फल प्रभावित होने लगे हैं। आम के फलों का बचाव को अपना खेत बागान फाउण्डेशन के द्वारा किसानों को आम के बचाव को लेकर विभिन्न प्रकार की विधि के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इससे किसानों को आम का फसल सुरक्षित रखने एवं संरक्षित रखने में सहयोग हो सके। अपना खेत के द्वारा किसानों को खेतों में पहुंचकर प्रदर्शन भी किया जा रहा है। इस क्रम में अपना खेत के संस्थापक सह जिला कृषि कार्यालय के कृषि समन्वयक आलोक कुमार ने बथनाहा के मझौरा गांव के किसानों को आम के परिपक्व हो रहे फलों की सुरक्षा को लेकर बैगिंग विधि की जानकारी दी। किसानों को प्रयोग के तौर पर कुछ फलों को ही बैगिंग करके उसके परिणाम को अनुभव करने की सलाह दी तथा अपेक्षित परिणाम प्राप्त होने पर अगले वर्ष से प्रयोग करें। आम जब 80-90 प्रतिशत मैच्योर हो जाए तब यह क्रिया करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि बैगिंग करने से फलों पर रसायन के छिड़काव से राहत मिलती है साथ ही फल भी अपेक्षाकृत स्वस्थ व चमकदार होते हैं। उन्होंने कहा कि यदि बाजार में उपलब्ध बैग महंगे लगे तो घर में ही अखबार के कागज का बैग बनाकर उसे फलों में लगाया जा सकता है।

किसानों को आम की फसल सुरक्षित रखने एवं संरक्षित रखने में सहयोग के लिए की गई पहल

पेड़ पर चढ़कर बैगिंग करते किसान।

आम के पेड़ पर फलों की बैगिंग की गई ।

फलों पर पत्तों का दाग लगने से बचाव होता है

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के लखनऊ स्थित केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान के अवकाश प्राप्त वरीय वैज्ञानिक डॉक्टर घनश्याम पाण्डेय ने परिपक्व हो रहे आम की बैगिंग करने की सलाह दी है। इससे समय-समय पर होने वाली बारिश का भी प्रतिकूल प्रभाव फल नहीं पड़ता है तथा फलों पर पत्तों की गंदगी बैठ जाने के कारण उस पर दाग लगने से भी बचाव होता है। फलों की बैगिंग करना बहुत ही कारगर साबित हो रही है। इसमें आम के फलों को कागज के थैले से ढंक दिया जाता है।

आम के बगीचे के समेकित प्रबंधन के लिए किसानों को जानकारी

अपना खेत के संस्थापक आलोक कुमार ने बताया कि आम की फसल जिले के किसानों के लिए आमदनी का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। यहां के फलों की मांग भी अन्य प्रदेशों में होती है। अच्छे दाम भी मिलते हैं। अपना खेत द्वारा यहां के आम का अन्य प्रदेशों को भी भेजा जा रहा है। अच्छे व गुणवत्ता पूर्ण आम के लिए अपना खेत फाउंडेशन द्वारा समय समय पर आम के बगीचे के समेकित प्रबंधन के लिए कृषकों को महत्वपूर्ण जानकारी दी जाती है। पूर्व में फेरोमोन ट्रैप लगा कर उसका सफल प्रदर्शन किया गया। इस ट्रैप में मादा कीट का गंध रहने के कारण नर कीट उसकी तरफ आकर्षित होते हैं, तथा डब्बे में फंस कर मर जाते हैं। नर कीट के नहीं रहने से मादा कीट द्वारा प्रजनन की क्रिया बाधित हो जाती है, जिससे उनका जीवन चक्र रुक ही जाता है और बगीचे में कीटों की संख्या समाप्तप्राय हो जाती है। बथनाहा प्रखंड के मझौरा गांव में इसका जीवंत प्रदर्शन किया गया है और उसका अनुकूल प्रभाव दिखाई दे रहा है। बताया कि स्वस्थ्य व गुणवत्तापूर्ण आम का बाजार में अधिक मांग रहती है एवं मूल्य भी अधिक मिलता है।

Under the guidance of Apna Khet Bagan Foundation, farmers were made aware of fruit bagging as a method to protect ripening mango from pest damage and surface residue, with founder Alok Kumar demonstrating the technique directly in the field.

4. Fruit Bags Shield Mangoes from Pest Damage

Jagran Special Feature, Sitamarhi

आम को कीटों के असर से बचा रहा फ्रूट बैग

जागरण विशेष

मुकेश कुमार अमन • सीतामढ़ी

- सीआइएसएच लखनऊ से सेवानिवृत्त विज्ञानी का मिल रहा सहयोग
- सीतामढ़ी के आम उत्पादक आलोक ने अपने बाग के पेड़ों में की शुरुआत

आम के फलों को कीट और हानिकारक रसायनों के असर से फ्रूट बैग बचा रहा है। सीतामढ़ी के बथनाहा के किसान आलोक कुमार ने इसकी शुरुआत की है। इसमें लखनऊ स्थित सेंट्रल इंस्टीट्यूट फार सबट्रापिकल हार्टिकल्चर (सीआइएसएच) के सेवानिवृत्त विज्ञानी का सहयोग मिल रहा है।

आलोक के पास करीब 550 पेड़ हैं। वे बाग प्रबंधन, फलों के उत्पादन और उनकी पैकिंग में खास ख्याल रखते हैं। बताते हैं कि पकने से एक माह पहले फलों को बैग में बांधा गया था। इसका रंग भूरा होता है।

इसके अंदर फल को पकने के लिए अनुकूल हवा, उष्मा व नमी मिलती रहती है। इसके लिए सीआइएसएच के वरीय विज्ञानी (अब सेवानिवृत्त) डा. घनश्याम पांडेय का सहयोग मिला था। उनके निर्देशन में इस साल पहली बार 1500 फलों की बैगिंग कराई थी। प्रति फल करीब तीन रुपये खर्च आए थे।

फलों की बढ़ जाती सेल्फ लाइफ : डा. घनश्याम पांडेय का कहना है कि बैगिंग फल को बाहरी संक्रमण व डस्ट से बचाती है। आंधी, वर्षा, ओलावृष्टि और कड़ी धूप का प्रभाव भी बहुत नहीं होता। फलों पर बाहरी दाग नहीं होने से चमक बरकरार रहती है। कीट और रसायन मुक्त होने से पके फल की सेल्फ लाइफ बढ़ जाती है।

अधिकारियों को फ्रूट बैग दिखाते आलोक कुमार (बाएं से दूसरे)। • सौ. स्वयं

अपना खेत की पहल सराहनीय है। इससे आम के अच्छे दाम मिल रहे हैं। रसायन मुक्त फल मिल रहा है। उनके इनोवेशन को आगे बढ़ाया जाएगा।

–नीरज कुमार, सहायक निदेशक, उद्यान विभाग

बागों में लगाया कीट जाल : प्रयागराज से कृषि स्नातक और हैदराबाद से प्लांट प्रोटेक्शन में पीजी डिप्लोमा कर उन्नत बागवानी करने वाले आलोक ने मंजर के दौरान बागों में फेरोमोन ट्रैप (कीट जाल) भी लगाया था। इसमें एक जाली होती है। इसके नीचे चिपचिपा पदार्थ होता है। इसमें मादा कीटों की गंध लगी होती है। इसपर नर कीट आकर्षित होकर यहां पहुंचते हैं और चिपककर मर जाते हैं। इससे कीटों की संख्या कम होती है। साथ ही नए कीटों की वृद्धि भी नहीं होती है।

पेड़ों को दिया है नंबर : उन्होंने बागों की अल्फाबेट मार्किंग की है, साथ ही सभी पेड़ों को नंबर भी दिया है। आनलाइन माध्यम से भी फल की बिक्री कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने 'अपना खेत' नाम से वेबसाइट तैयार की है। इसपर आम की डिमांड आती है। उसके अनुरूप कुरियर कंपनी से आपूर्ति की जाती है। वे आर्डर देनेवाले को वाट्सएप या ईमेल से ज्योग्राफिकल लोकेशन भेजते हैं। इसमें बाग की लोकेशन के साथ आम की प्रजाति, पैकिंग की तिथि, किसान का नाम, बाग की मार्किंग और पेड़ संख्या दर्ज होती है।

A feature on Alok Kumar's ~550-tree orchard in Bathnaha, describing how fruit bagging (applied about a month before ripening, at roughly Rs. 3 per fruit) protects mango from pests and improves shelf life, developed with guidance from a retired CISH Lucknow scientist.

5. Mango Fruit Bagging Completed — Officials Await Results

Jagran, Sitamarhi

आम के फलों पर की गई बैगिंग सकारात्मक परिणाम की प्रतीक्षा

बथनाहा प्रखंड के मझौरा में आम के फलों पर बैगिंग का जायजा लेते संयुक्त निदेशक उद्यान, सहायक निदेशक उद्यान व प्रखंड उद्यान अधिकारी व कृषि समन्वयक। ● जागरण

जासं, सीतामढ़ी: अपना खेत के तत्वावधान में संयुक्त निदेशक उद्यान आभांशु जैन, सहायक निदेशक उद्यान नीरज कुमार झा के साथ प्रखंड उद्यान पदाधिकारी एवं कृषि समन्वयक मृत्युंजय कुमार ने सोमवार को बथनाहा प्रखंड के मझौरा गांव में आलोक कुमार के आम बगीचे का निरीक्षण किया। बगीचे में किसान द्वारा आम के फलों में बैगिंग किया गया है। आम के फलों पर बैगिंग करने से फलों के गुणवत्ता में सुधार होने के साथ ही फल में कीट व्याधि का प्रकोप नहीं हो पाता है। संयुक्त निदेशक ने बताया है बैगिंग का सकारात्मक परिणाम देखने के बाद इसे विभागीय योजना में सम्मिलित किया जा सकता है। उनके द्वारा किसान सह कृषि समन्वयक आलोक कुमार द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई। मालूम हो कि अपना खेत द्वारा देश के विभिन्न राज्यों में आम के फलों को भी सुरक्षित तरीकों से भेजने का कार्य किया जाता है। पदाधिकारियों ने इस कार्यप्रणाली को समझा और इसकी सराहना की।

Horticulture department officials inspected the bagging work carried out on mango fruit in Mazaura village and noted that a positive outcome could lead to the method's inclusion in departmental planning.

6. Fruit Bag Protects Mango from Pests (Continued Coverage)

Jagran Special Feature, Sitamarhi

आम को कीटों के असर से बचा रहा फ्रूट बैग

जागरण विशेष

मुकेश कुमार अमन • सीतामढ़ी

- सीआइएसएच लखनऊ से सेवानिवृत्त विज्ञानी का मिल रहा सहयोग
- सीतामढ़ी के आम उत्पादक आलोक ने अपने बाग के पेड़ों में की शुरुआत

आम के फलों को कीट और हानिकारक रसायनों के असर से फ्रूट बैग बचा रहा है। सीतामढ़ी के बथनाहा के किसान आलोक कुमार ने इसकी शुरुआत की है। इसमें लखनऊ स्थित सेंट्रल इंस्टीट्यूट फार सबट्रापिकल हार्टिकल्चर (सीआइएसएच) के सेवानिवृत्त विज्ञानी का सहयोग मिल रहा है।

आलोक के पास करीब 550 पेड़ हैं। वे बाग प्रबंधन, फलों के उत्पादन और उनकी पैकिंग में खास ख्याल रखते हैं। बताते हैं कि पकने से एक माह पहले फलों को बैग में बांधा गया था। इसका रंग भूरा होता है।

इसके अंदर फल को पकने के लिए अनुकूल हवा, उष्मा व नमी मिलती रहती है। इसके लिए सीआइएसएच के वरीय विज्ञानी (अब सेवानिवृत्त) डा. घनश्याम पांडेय का सहयोग मिला था। उनके निर्देशन में इस साल पहली बार 1500 फलों की बैगिंग कराई थी। प्रति फल करीब तीन रुपये खर्च आए थे।

फलों की बढ़ जाती सेल्फ लाइफ : डा. घनश्याम पांडेय का कहना है कि बैगिंग फल को बाहरी संक्रमण व डस्ट से बचाती है। आंधी, वर्षा, ओलावृष्टि और कड़ी धूप का प्रभाव भी बहुत नहीं होता। फलों पर बाहरी दाग नहीं होने से चमक बरकरार रहती है। कीट और रसायन मुक्त होने से पके फल की सेल्फ लाइफ बढ़ जाती है।

बागों में लगाया कीट जाल : प्रयागराज से कृषि स्नातक और हैदराबाद से प्लांट प्रोटेक्शन में पीजी डिप्लोमा कर उन्नत बागवानी करने वाले आलोक ने मंजर के दौरान बागों में फेरोमोन ट्रैप (कीट जाल) भी लगाया था। इसमें एक जाली होती है। इसके नीचे चिपचिपा पदार्थ होता है। इसमें मादा कीटों की गंध लगी होती है। इसपर नर कीट आकर्षित होकर यहां पहुंचते हैं और चिपककर मर जाते हैं। इससे कीटों की संख्या कम होती है। साथ ही नए कीटों की वृद्धि भी नहीं होती है।

पेड़ों को दिया है नंबर : उन्होंने बागों की अल्फाबेट मार्किंग की है, साथ ही सभी पेड़ों को नंबर भी दिया है। आनलाइन माध्यम से भी फल की बिक्री कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने 'अपना खेत' नाम से वेबसाइट तैयार की है। इसपर आम की डिमांड आती है। उसके अनुरूप कुरियर कंपनी से आपूर्ति की जाती है। वे आर्डर देनेवाले को वाट्सएप या ईमेल से ज्योग्राफिकल लोकेशन भेजते हैं। इसमें बाग की लोकेशन के साथ आम की प्रजाति, पैकिंग की तिथि, किसान का नाम, बाग की मार्किंग और पेड़ संख्या दर्ज होती है।

अधिकारियों को फ्रूट बैग दिखाते आलोक कुमार (बाएं से दूसरे)। • सौ. स्वयं

अपना खेत की पहल सराहनीय है। इससे आम के अच्छे दाम मिल रहे हैं। रसायन मुक्त फल मिल रहा है। उनके इनोवेशन को आगे बढ़ाया जाएगा।

–नीरज कुमार, सहायक निदेशक, उद्यान विभाग

Further coverage of the fruit-bagging initiative, reinforcing its role in reducing chemical dependence and improving fruit quality across the farmer network.

7. Low-Cost Paper Bags: An Affordable Innovation for Pest Protection

Sitamarhi

सुरक्षा | कम लागत में हो रही फलों की रक्षा, घर पर भी बना सकते हैं पेपर से कागज का बैग, जिले के बथनाहा प्रखंड के किसानों ने शुरू किया नया प्रयोग, इससे फलों को मिल रहा लाभ

आम के फलों पर कागज का बैग लगा कीट-पतंगों से कर रहे रक्षा

अच्छी खबर

लखन कुमार वर्मा

- फ्रूट फ्लाई कीटों को रोकने को बनाया बैग
- बैग लगाने से प्रतिकूल प्रभाव से भी फायदा

बैगिंग से अपेक्षाकृत स्वस्थ होते हैं फल

बाजार में उपलब्ध बैग महंगा लगे तो घर में बनाएं

Coverage highlighting a low-cost, farmer-replicable alternative — paper bags made at home — offering the same pest and residue protection as market-bought bags at lower cost, extending the innovation's accessibility to smallholders.

8. Pheromone Trap Innovation for Mango Security

Dainik Jagran, Muzaffarpur — 19 May 2022

दैनिक जागरण | 5

www.jagran.com मुजफ्फरपुर, 19 मई, 2022

आम की सुरक्षा

एक तो बेमौसम आंधी-तूफान व ओले गिरने से आम को नुकसान हुआ है ऊपर से कीट के प्रकोप से फल सड़ रहे हैं। बथनाहा के मझौर गांव के किसान आलोक कुमार अपने बगीचे में ''फेरोमोन ट्रैप'' की मदद से कीट पर नियंत्रण और निगरानी कर रहे हैं। इस यंत्र में मादा कीटों की गंध को एक कैप्शूल में रखा जाता है, जिससे नर कीट आकर्षित हो फंसकर मर जाते हैं। ●अमित सौरभ

Reporting on farmer Alok Kumar's use of pheromone traps in his Mazaura orchard to monitor and control pest infestation, protecting mango crops damaged by unseasonal storms and hail.